15

आनंदमयी कविता

होली

रंग रंगीली होली आई,
सबके मन को होली भायी।
खेलें-कूदें खुशी मनाएँ,
ढोल बजाकर होली गाएँ।

निकल पड़ी मित्रों की टोली,
सबने मिलकर खेली होली।
आओ, लाल गुलाल लगाएँ,
पिचकारी से रंग उड़ाएँ।

Reprint 2025-26

पुए और पकवान बनाएँ,
जो घर आए, उसे खिलाएँ।
सबको अपने गले लगाएँ,
होली का संदेश सुनाएँ।

– मधुर अथैया

बातचीत के लिए

1. आप होली पर क्या-क्या करते हैं?
2. आप कौन-कौन से त्योहार मनाते हैं?
3. वे त्योहार आप कैसे मनाते हैं?
4. छोटे समूह में अपने मित्रों के साथ मिलकर इन प्रश्नों के उत्तर लिखिए –

   (i) कविता में किस त्योहार की बात की गई है?

   ....

   (ii) कविता में खाने की कौन-सी वस्तुओं के नाम हैं?

   ....

© NCERT not to be republished

Reprint 2025-26

(iii) कविता में से शब्द खोजकर लिखिए –

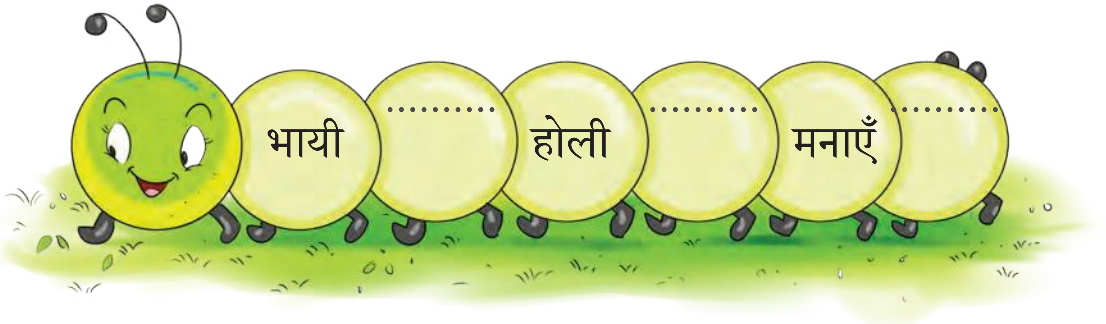

शब्दों का खेल

1. दिए गए शब्दों को पढ़िए। पहली ध्वनि पहचानिए। अलग ध्वनि से शुरू होने वाले शब्द पर गोला बनाइए –

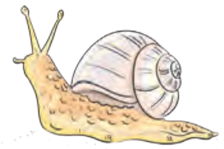

तीखा	मीठा	तेज़	तोता
भेल	भूख	भैंस	घी
घोंघा	घंटा	घंटी	भोला
छाता	छह	बाघ	छूना

2. नीचे दिए गए शब्दों को लिखिए –

एक	एड़ी	एकता	केला
....	....	....	....
ऐसा	ऐसे	ऐनक	थैला
....	....	....	....

© NCERT not to be republished

Reprint 2025-26

3. नीचे दिए चित्रों के नाम बताइए –

4. नीचे दिए शब्दों में 'ओ' (ो) या 'औ' (ौ) की मात्रा लगाकर शब्द लिखिए –

....

....

झटपट कहिए

माला ने मेले में माला से माला खरीदी और मेले के मटर, मक्का और मावा मालपुए माला ने खाए।

खोजें-जानें

परिवार के लोगों से बातचीत करके जानें कि आपके घर पर कौन-से त्योहार सबसे अधिक मनाए जाते हैं और क्यों?

शिक्षण-संकेत – बच्चों को झटपट बोलकर आनंद लेने वाले वाक्य स्वयं बनाने के लिए प्रोत्साहित करें, जैसे– कटा टमाटर टीटू ने खाया, खाया टीटू ने कटा टमाटर!

© NCERT not to be republished

Reprint 2025-26